कॉपर आईयूडी इस्तेमाल करने की इच्छुक महिलाओं की जांच संबंधी चेकलिस्ट

पिछले 20 वर्षों के अनुसंधान निश्कर्षों से पता चला है कि इंटरायूट्रीन डिवाइस (आईयूडी) अधिकतर महिलाओं के लिए सुरक्षित और असरदार हैं। इन्हें वे महिलाएं भी इस्तेमाल कर सकती हैं जिन्होंने बच्चे को जन्म न दिया हो, जो दो बच्चों के जन्म में अंतराल रखना चाहती हों तथा जो एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ रह रही हों अथवा उन्हें संक्रमण का खतरा हो। कुछ महिलाओं में जननांग कैंसर तथा वर्तमान सर्वाइकल इन्फेक्शन जैसी स्थितियों के कारण आईयूडी के इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती। इस कारण आईयूडी की इच्छुक महिलाओं की विशिष्ट चिकित्सा जांच की जाती है और देखा जाता है कि वे आईयूडी लगवाने के लिए फिट हैं अथवा नहीं।

यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसऐड) के सहयोग से फैमिली हेल्थ इंटरनेशनल (एफएचआई) ने सरल चेकलिस्ट (देखें सेंटर स्प्रेड) तैयार की है जिसकी मदद से स्वास्थ्य सेवाकर्ता उन महिलाओं की जांच कर सकता है जिन्हें गर्भनिरोधक विकल्पों के बारे में बता दिया गया हो और वे आईयूडी इस्तेमाल करने का निर्णय ले चुकी हों। यह चेकलिस्ट मेडिकल एलिजिबिल्टी क्राइटेरिया फार कंट्रासेप्टिव यूज (डब्ल्यूएचओ, 2004) में उल्लेखित मार्गनिर्देशों पर आधारित है। इस सूची में 20 प्रश्नों को क्रमबद्ध किया है जो विभिन्न चिकित्सीय स्थितियां एवं जोखिम भरे व्यवहार में चिन्हित करते हैं जो सुरक्षित कॉपरटी निवेशन में बाधक हैं या पुनः परीक्षण की आवश्यकता है, इसके अलावा क्लाइंट के द्वारा दिए गए उत्तरों के आधार पर मार्गदर्शन एवं दिशा–निर्देश प्राप्त होते हैं। चिकित्सीय में बाधक अथवा अन्य परीक्षण सुनिश्चित करती है तथा महिला की प्रतिक्रिया के अनुसार अन्य मार्गनिर्देश अथवा जानकारी प्रदान करती है। स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता द्वारा आईयूडी लगाने से पूर्व चेकलिस्ट को पूर्ण कर लेना चाहिए। कई मामलों में चेकलिस्ट को पूर्ण करने की जिम्मेदारी को काउंसलर के साथ शेअर कर लेना चाहिए। काउंसलर को 1 से 13 तक प्रश्न पूर्ण करने चाहिए तथा जांच के दौरान शेष प्रश्नों के उत्तरों का निर्धारण फिजिशियन, मिडवाइफ, क्लीनिकल आफिसर, नर्स अथवा सहायक नर्स सहित लगभग प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता द्वारा किया जाना चाहिए। चिकित्सा पात्रता प्रश्नों के आधार पर उपयुक्त पाई गई, महिलायें अभी भी आईयूडी की अच्छी क्लाइंट हैं परन्तु उनमें पाई गयी सन्दिगध चिकित्सा स्तिथी को उचित मुल्यांकण करने के उपरान्त आइयूडी के लिए उपयुक्त बने रहना होगा।

यह चेकलिस्ट प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपलब्ध चेकलिस्ट की श्रृंखला का एक भाग है। इसके अतिरिक्त अन्य चेकलिस्ट हैं–दि चेकलिस्ट फॉर स्क्रीनिंग क्लाइंट्स हू वांट टु इनिशियेट कम्बाइंड ओरल कंट्रासेप्टिव्स, दि चेकलिस्ट फॉर स्क्रीनिंग क्लाइंट्स हूं वांट टु इनिशियेट डीएमपीए (अथवा नेट–ईएन), तथा चेकलिस्ट आन हाऊ टु बी रीजनेबली श्योर ए क्लाइंट इज नॉट प्रेगनेंट। प्रोवाइडर चेकलिस्ट के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया www.fhi.org पर मिलें।

वर्तमान गर्भधारण का पता लगाना

प्रश्न 1–6 की मदद से सेवा प्रदाता को पता चलता है कि महिला गर्भवती है अथवा नहीं। यदि महिला इनमें से किसी प्रश्न का उत्तर 'हां' देती है और उसके गर्भवती होने का कोई लक्षण दिखाई नहीं देता है तो यह निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि वह गर्भवती नहीं है। गर्भवती महिला को कभी भी आईयूडी नहीं लगाई जानी चाहिए क्योंकि इससे सेप्टिक गर्भपात का खतरा रहता है। तथापि, यदि महिला प्रश्न 1 का उत्तर हां देती है तो आईयूडी का लगाया जाना प्रसव के चार सप्ताह बाद तक स्थगित किया जाना चाहिए। यदि प्रसव के बाद 48 घंटे से लेकर चार सप्ताह के भीतर आईयूडी लगा दी जाती है तो बच्चेदानी में छेद होने का जोखिम रहता है। तथापि, महिला द्वारा बच्चे को जन्म दिए जाने के बाद/उपरांत 48 घंटों के भीतर कॉपरटी केवल प्रशिक्षित प्रोफेशनल द्वारा लगाई जा सकती है।

आईयूडी के लिए चिकित्सा पात्रता का मूल्यांकन करना

7. क्या आपको मासिक अवधि के दौरान असामान्य रक्तस्राव होता है अथवा संभोग के बाद रक्तस्राव होता है?

योनि से असामान्य रूप से रक्तस्राव होना जेनिटल मेलिंगनेंसी (कैंसर) अथवा गर्भ संबंधी समस्या जैसी पैथोलाजिकल स्थिति का संकेत है। आईयूडी लगाए जाने से पूर्व इन सभी संभावनाओं को दूर कर देना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो महिला को परीक्षण एवं निदान के लिए उच्चस्तरीय सेवादाता अथवा स्पेशलिस्ट को रेफर करना चाहिए। महिला को अन्य उपलब्ध गर्भनिरोधक विकल्पों के बारे में बताएं और इस्तेमाल के लिए कंडोम दें।

8. क्या आपको बताया गया है कि आपके जननांग/अंग में किसी प्रकार के कैंसर, ट्रोफोब्लास्टिक रोग, अथवा पेल्विक ट्यूबरकुलोसिस से पीड़ित हैं?

जननांग कैंसर से पीड़ित महिलाओं आईयूडी लगाने से संक्रमण, बच्चेदानी में छेद होने तथा रक्तस्राव की संभावना रहती है। ट्रोफोब्लास्टिक रोगों से पीड़ित महिलाओं को मल्टीपल यूट्रीन क्यूरटेग्स की आवष्यकता होती है, इसलिए इस स्थिति में आईयूडी लगाना नुकसानदेह साबित हो सकता है। इससे बच्चेदानी में छेद का खतरा भी बढ़ जाता है। पेल्विक ट्यूबरोक्लोसिस से पीड़ित महिलाओं को आईयूडी लगाने से उनमें सेकेंडरी संक्रमण तथा रक्तस्राव का उच्च जोखिम रहता है। यदि महिला इन तीनों में से किसी भी स्थिति का शिकार हो तो उसे आईयूडी नहीं लगाई जानी चाहिए। उसे अन्य गर्भनिरोधक विकल्प के बारे में बताएं और इस्तेमाल के लिए कंडोम दें।

नोटः प्रश्न 9–12 यौन संचारी रोग (एसटीआई) के मामले में उच्च व्यक्तिगत जोखिम से संबंधित हैं क्योंकि इनमें अधिकतर क्लामाइडिया तथा अथवा गोनोरिया संक्रमण की संभावना रहती है। इसलिए, जब तक महिला में एसटीआई संक्रमण दूर नहीं हो जाता, उसे आईयूडी लगाने के लिए उपयुक्त नहीं कहा जा सकता। इन महिलाओं को आईयूडी लगाने से पेल्विक इन्फ्लामेटरी डिसीज (पीआईडी) का जोखिम बढ़ने की संभावना रहती है। इन्हें अन्य गर्भनिरोधक विकल्पों की जानकारी देते हुए एसटीआई की सुरक्षा के लिए कंडोम देने चाहिए। तथापि, यदि अन्य गर्भनिरोधक उपाय उपलब्ध अथवा स्वीकार्य न हों तथा एसटीआई के लक्षण न हों तो आईयूडी लगाई जा सकती है। इन मामलों में अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

कॉपर आईयूडी लगवाने की इच्छुक महिलाओं की जांच संबंधी चेकलिस्ट

सबसे पहले सुनिश्चित करें कि महिला गर्भवती नहीं है। यदि उसे जांच के समय माहवारी नहीं हो रही है तो उससे प्रश्न 1–6 पूछें। जैसे ही महिला किसी प्रश्न का उत्तर 'हां' दे तो रुक जाएं और निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें :–

हां	1. क्या पिछले 4 सप्ताह में आपको बच्चा हुआ है?	नहीं
हां	2. क्या आपका बच्चा छह महीने से कम आयु का है, क्या आप उसे पूरी तरह अथवा लगभग पूरी तरह स्तनपान कराती हैं, और तब से आपको महावारी नहीं हुई हैं?	नहीं
हां	3. क्या आपने पिछली माहवारी अथवा प्रसव के बाद से यौन संबंध बनाने में परहेज किया है?	नहीं
हां	4. क्या आपकी पिछली माहवारी 12 दिनों के भीतर शुरू हुई थी?	नहीं
हां	5. क्या पिछले 7 दिनों में आपको गर्भपात हुआ था?	नहीं
हां	6. क्या आप लगातार विश्वसनीय एवं सही ढंग से गर्भनिरोधक तरीका अपना रही हैं?	नहीं

यदि महिला प्रश्न संख्या 1–6 तक में से किसी एक का उत्तर हां में देती है और उसके गर्भवती होने का कोई लक्षण अथवा चिन्ह नहीं है तो आप निश्चित रूप से कह सकते हैं कि वह गर्भवती नहीं है। प्रश्न संख्या 7–13 की ओर बढ़ें।

तथापि, यदि प्रश्न 1 का उत्तर वह हां देती है तो आईयूडी लगाने का विचार प्रसव के बाद चार सप्ताह तक स्थगित कर देना चाहिए। महिला को उचित समय पर आने के लिए कहें।

यदि महिला प्रश्न 1–6 तक के सभी प्रश्नों का उत्तर 'नहीं' देती है तो उसे गर्भवती ना होना नहीं माना जा सकता। उसे माहवारी का इंतजार करने अथवा गर्भधारण परीक्षण कराने के लिए कहें।

यह जानने के लिए कि महिला आईयूडी लगवाने के लिए चिकित्सीय दृष्टि से सक्षम हैं अथवा नहीं, प्रश्न 7–13 पूछें। जैसे ही महिला किसी प्रश्न का उत्तर हां दे तो रुक जाएं और निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें –

नहीं	7. क्या माहवारी मासिक अवधि के दौरान असामान्य रूप से रक्तस्राव हुआ है अथवा संभोग के बाद रक्तस्राव हुआ है?	हां
नहीं	8. क्या आपको बताया गया है कि आपने जननांग में किसी प्रकार का कैंसर, ट्रोफोब्लास्टिक रोग अथवा पेल्विक ट्यूबरकुलोसिस है?	हां
नहीं	9. क्या पिछले 3 महीनों के भीतर आपका एक से अधिक यौन सहयोगी रहा है?	हां
नहीं	10. क्या पिछले 3 महीनों के भीतर आपके सहयोगी का कोई अन्य यौन सहयोगी रहा है?	हां

नहीं	11. क्या पिछले 3 महीनों के भीतर आपको बताया गया है कि आप यौन संचारी रोगों से पीड़ित हैं?	हां
नहीं	12. क्या पिछले तीन महीनों के भीतर आपके सहयोगी को बताया गया है कि उसे यौन संचारी रोग है अथवा क्या आप जानती हैं कि उसमें इस रोग के लक्षण हैं– उदाहरण के लिए पेनाइल स्राव।	हां
नहीं	13. क्या आप एचआईवी पाजिटिव हैं तथा एड्स से पीड़ित भी है?	हां

यदि महिला प्रश्न 7–13 तक के सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे तो पेल्विक परीक्षण के लिए कदम उठाएं

पेल्विक परीक्षण के दौरान प्रदाता को प्रश्न 14–20 तक के उत्तर निर्धारित करने चाहिए।

यदि महिला प्रश्न 7 अथवा 8 का उत्तर हां देती है तो आईयूडी नहीं लगाई जा सकती। इसके अलावा, स्थिति का मूल्यांकन करना जरूरी है।

यदि महिला प्रश्न 9–12 का उत्तर हां देती है तो तब तक आईयूडी नहीं लगाई जा सकती जब तक कि क्लेमाइडिया तथा/अथवा गोनोरिया का संक्रमण ठीक नही हो जाता।

यदि महिला प्रश्न 13 के दूसरे भाग का उत्तर हां देती है और वह इस समय एआरवी दवाओं का सेवन नहीं कर रही है तो आईयूडी लगवाने की सलाह नहीं दी जाती। यदि एआरवी लेने पर वह चिकित्सीय दृष्टि से फिट है तो उसे आईयूडी लगाई जा सकती है। एचआईवी पाजिटिव महिला जिसे एड्स नही है, आमतौर पर आईयूडी लगवा सकती है।

नहीं	14. क्या भग, योनि अथवा सर्विक्स पर किसी प्रकार का अल्सर है	हां
नहीं	15. क्या जब आप सर्विक्स को हिलाते हैं तो महिला के पेट के निचले भाग में दर्द होता है?	हां
नहीं	16. क्या एडनेक्सा संवेदनशीलता है?	हां
नहीं	17. क्या सरवाइकल स्राव में मवाद आता है?	हां
नहीं	18. क्या छूने पर स्रविक्स स्राव होने लगता है?	हां
नहीं	19. क्या बच्चेदानी की कैविटी में असामान्यता है जिसकी वजह से आईयूडी लगाना उचित नहीं है?	हां
नहीं	20. क्या आप बच्चेदानी का आकार तथा अथवा स्थिति निर्धारित करने में असमर्थ हैं?	हां

यदि प्रश्न 14–20 तक सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं है तो आप आईयूडी लगवा सकती हैं।

यदि प्रश्न 14–20 तक के किसी भी प्रश्न का उत्तर हां है तो बिना जांच आईयूडी नहीं लगाई जा सकती। अन्य निर्देशों के लिए स्पष्टीकरण देखें।

USAID FROM THE AMERICAN PEOPLE

fhi Family Health International
© 2006

9. पिछले तीन महीनों के दौरान क्या आपने एक से अधिक व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाए हैं?

एक से अधिक लोगों से यौन संबंध बनाने वाली महिलाओं को यौन संचारित रोगों का सबसे अधिक जोखिम होता है। हालांकि क्लेमाइडिया तथा/अथवा गोनोरिया संक्रमण को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है लेकिन इन महिलाओं को आईयूडी लगवाने के लिए बेहतर नहीं माना जा सकता। (प्रश्न 9–12 के संबंध में नोट देखें)

10. क्या आप समझते हैं कि पिछले तीन महीनों के दौरान आपके साथी का कोई अन्य यौन सहयोगी था?

जिन महिलाओं का यौन संबंध एक से अधिक पुरुषों के साथ रहता है उनमें यौन संचारित रोगों को देने का खतरा अधिक रहता है। हालांकि क्लेमाइडिया तथा/अथवा गोनोरिया संक्रमण को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। लेकिन इन महिलाओं को आईयूडी लगवाने के लिए बेहतर नहीं माना जा सकता। उन महिलाओं में जहां बहु–यौन संबंध बनाना आम बात हो, सेवा प्रदाता को अलग–अलग यौन सहयोगी के बारे में पूछना चाहिए। (प्रश्न 9–12 के संबंध में नोट देखें)

11. पिछले तीन महीनों के दौरान क्या आपको बताया गया है कि आप यौन संचारी रोग से पीड़ित हैं?

वे महिलाएं जो क्लेमाइडिया और/अथवा गोनोरिया संक्रमण से पीड़ित होती हैं, उनमें यौन संचारित रोग होने की संभावनाएं अधिक होती है। इसलिए जब तक क्लेमाइडिया तथा/अथवा गोनोरिया संक्रमण को पूरी तरह से ठीक किया जाए तब भी इन महिलाओं को आईयूडी नहीं लगवाना चाहिए। वैसे में महिलाएं आईयूडी लगवाने के लिए बेहतर नहीं मानी जा सकती। (प्रश्न 9–12 के संबंध में नोट देखें)

12. पिछले तीन महीनों के दौरान क्या आपके सहयोगी को बताया गया है कि उसे यौन संचारित रोग है अथवा क्या आप जानती हैं कि उसमें इस रोग का कोई लक्षण है–उदाहरण के लिए पेनाइल स्राव?

(नोटः इस प्रश्न के दो भाग हैं। इसके किसी एक भाग अथवा दोनों भाग का उत्तर हां होने पर आईयूडी लगवाना सही नहीं है)

जिन महिलाओं के सहयोगी को यौन संचारित रोग हैं तो उन्हें भी इसका संक्रमण हो सकता है।

13. क्या आप एचआईवी पाजिटिव हैं और आप एड्स के शिकार हैं?

इस प्रश्न के दो भाग हैं और दोनों भागों को एकसाथ पूछना चाहिए। यदि महिला दोनों भागों का उत्तर हां देती है तो उससे पूछें कि क्या वह एआरवी ले रही है और सुनिश्चित करें कि वह चिकित्सीय दृष्टि से बेहतर हो । यदि ऐसा है तो उसे आईयूडी लगाई जा सकती है। यदि नहीं तो आईयूडी लगवाने की सिफारिश तब तक नहीं की जाती जब तक कि अन्य उपयुक्त तरीके उपलब्ध अथवा स्वीकार्य न हों। यह चिंता का विषय है कि एचआईवी पाजिटिव महिलाएं जो एड्स से पीड़ित हैं और एआरवी नहीं ले रही हों तो उनमें यौन संचारी रोग तथा पीआईडी का अधिक जोखिम रहता है क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक प्रणाली कमजोर होती है। आईयूडी इस जोखिम को और अधिक बढ़ा सकती है। यदि महिला एचआईवी पाजिटिव हो लेकिन उसे एड्स न हुआ हो तो आमतौर पर आईयूडी का उपयोग किया जा सकता है।

पेल्विक जांच

14. क्या भग, योनि अथवा सर्विक्स पर किसी प्रकार का अल्सर है?

जननांग अल्सर अथवा उस पर किसी प्रकार का घाव यौन संचारी रोग होने का संकेत है। हालांकि अल्सर ग्रसित यौन संचारी रोग होना आईयूडी लगाने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन यह इस बात का संकेत है कि महिला में अत्यधिक यौन संचारी रोग जोखिम है। इन मामलों में आमतौर पर आईयूडी की सिफारिश नहीं की जाती। इसका उचित निदान कर आवश्यक उपचार किया जाना चाहिए। यदि गोनोरिया और क्लेमाइडिया संक्रमण को पूरी तरह से दूर कर दिया जाए तो आईयूडी को लगाया जा सकता है।

15. जब आप सर्विक्स को हिलाते हैं तो क्या महिला को पेट के निचले भाग में दर्द होता है?

सरवाइकल मोशन संवेदनशीलता पीआईडी का लक्षण है। पीआईडी ग्रसित महिलाओं को आईयूडी का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसका उचित उपचार किया जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो महिला को उच्च स्तरीय सेवादाता अथवा स्पेशलिस्ट के पास जाने को कहें। महिला को कंडोम तथा अन्य गर्भनिरोधकों के उपयोग की जानकारी दें।

16. क्या एडनेक्सा संवेदनशीलता है?

एडनेक्सा संवेदनशीलता अथवा/तथा एडनेक्सा मास विशालता अथवा पीआईडी का लक्षण है। जननांग कैंसर अथवा पीआईडी से पीड़ित महिलाओं को आईयूडी इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। इसका उचित उपचार किया जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो महिला को उच्च स्तरीय सेवादाता अथवा स्पेशलिस्ट के पास जाने को कहें।

17. क्या सरवाइकल स्राव में मवाद निकलता है?

सरवाइकल स्राव में मवाद निकलना सर्विकसाइटिस तथा संभावित पीआईडी का लक्षण है। सर्विकसाइटिस अथवा पीआईडी पीड़ित महिलाओं को आईयूडी का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसका उचित उपचार किया जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो महिला को उच्च स्तरीय सेवादाता अथवा स्पेशलिस्ट के पास जाने को कहें। महिला को कंडोम के इस्तेमाल की जानकारी दें।

18. क्या सर्विक्स को छूते ही उसमें स्राव होने लगता है?

यदि सर्विक्स को छूते ही उसमें स्राव होने लगे तो इस बात का संकेत है कि महिला को सर्विकसाइटिस अथवा सरवाइकल कैंसर है। सर्विकसाइटिस अथवा पीआईडी पीड़ित महिलाओं को आईयूडी का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसका उचित उपचार किया जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो महिला को उच्च स्तरीय सेवादाता अथवा स्पेशलिस्ट के पास जाने को कहें। यदि चेकलिस्ट के अलावा उपयुक्त अतिरिक्त मूल्यांकन के माध्यम से इन स्थितियों का दूर कर दिया जाए तो महिला आईयूडी लगवा सकती है।

19. क्या बच्चेदानी की कैविटी में कोई शारीरिक असामान्यता है जो उचित आईयूडी लगाने की अनुमति नहीं देती?

यदि कोई ऐसी शारीरिक असामान्यता है जिसने बच्चेदानी की कैविटी को विकृत कर रखा है तो आईयूडी लगाना संभव नहीं है। सरवाइकल स्टेनोसिस भी आईयूडी लगाने में बाधा बन सकता है।

20. क्या आप बच्चेदानी का आकार और/अथवा स्थिति निर्धारित करने में असमर्थ हैं?

आईयूडी लगाने से पहले बच्चेदानी के आकार और स्थिति का पता लगाना आवश्यक होता है क्योंकि इससे आईयूडी का ठीक से लगना सुनिश्चित करने के साथ–साथ बच्चेदानी में छेद होने के खतरे को कम किया जा सकता है।

© फैमिली हेल्थ इंटरनेशनल, 2006. • पीओ बॉक्स 13950, रिसर्च ट्राएंगल पार्क, एनसी 27709 यूएसए, • फैक्स (919) 544–7261. http://www.fhi.org